

अध्याय - 14 | श्वसन और गैसों का विनियम

QUIZ PART-04

- श्वसन की वह प्रक्रिया जिसमें वायुमंडलीय वायु फेफड़ों के अंदर जाती है, क्या कहलाती है?
 - निःश्वसन
 - अंतःश्वसन
 - विसरण
 - गैस परिवहन(B)

व्याख्या: अंतःश्वसन वह प्रक्रिया है जिसमें बाह्य वायु को फेफड़ों के भीतर खींचा जाता है ताकि गैसीय विनियम हो सके।

- श्वसन की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला मुख्य संरचनात्मक भाग कौन-सा है?
 - पसलियाँ
 - डायाफ्राम (तनुपट)
 - श्वासनली
 - एपिग्लॉटिस(B)

व्याख्या: डायाफ्राम फेफड़ों के नीचे स्थित गुम्बदाकार पेशी है जो संकुचन और शिथिलन के माध्यम से वक्षीय गुहा का आयतन बदलती है, जिससे श्वसन संभव होता है।

- मनुष्य में कितनी जोड़ी पसलियाँ होती हैं?
 - 10
 - 12
 - 14
 - 16(B)

व्याख्या: मनुष्य में 12 जोड़ी पसलियाँ होती हैं जो वक्षीय गुहा को सुरक्षा प्रदान करती हैं और श्वसन के दौरान आगे-पीछे हिलती हैं।

- अंतःश्वसन के दौरान बाह्य अंतरापशुक पेशियों के संकुचन से क्या होता है?
 - पसलियाँ नीचे और अंदर की ओर जाती हैं
 - पसलियाँ ऊपर और बाहर की ओर उठती हैं
 - डायाफ्राम ऊपर उठता है
 - वक्षीय गुहा का आयतन घटता है(B)

व्याख्या: बाह्य अंतरापशुक पेशियों के संकुचन से पसलियाँ ऊपर और बाहर की ओर उठती हैं जिससे वक्षीय गुहा का आयतन बढ़ता है और वायु फेफड़ों में प्रवेश करती है।

- सामान्य दशाओं में निःश्वसन किस प्रकार का होता है?
 - सक्रिय प्रक्रिया
 - निष्क्रिय प्रक्रिया
 - अनैच्छिक संकुचन
 - स्वैच्छिक संकुचन(B)

व्याख्या: सामान्य निःश्वसन एक निष्क्रिय प्रक्रिया है, क्योंकि यह डायाफ्राम और बाह्य अंतरापशुक पेशियों के शिथिलन से स्वतः होती है।

- निःश्वसन के दौरान डायाफ्राम की स्थिति क्या होती है?
 - चपटी
 - नीचे की ओर
 - ऊपर उठी हुई
 - सीधी(C)

व्याख्या: निःश्वसन के समय डायाफ्राम शिथिल होकर ऊपर उठ जाता है जिससे वक्षीय गुहा का आयतन घटता है और वायु फेफड़ों से बाहर निकलती है।

- अंतःश्वसन के समय वक्षीय गुहा के आयतन में क्या परिवर्तन होता है?
 - आयतन घटता है
 - आयतन बढ़ता है
 - कोई परिवर्तन नहीं
 - केवल दबाव घटता है(B)

व्याख्या: अंतःश्वसन के दौरान डायाफ्राम के संकुचन से वक्षीय गुहा का आयतन बढ़ता है और फेफड़ों के अंदर का दबाव कम हो जाता है, जिससे वायु अंदर जाती है।

- सामान्य रूप से एक वयस्क व्यक्ति प्रति मिनट कितनी बार श्वसन करता है?
 - 6-8 बार
 - 10-12 बार
 - 12-16 बार
 - 18-20 बार(C)

व्याख्या: औसतन एक स्वस्थ व्यक्ति प्रति मिनट लगभग 12-16 बार श्वसन करता है।

- फुफ्फुसीय क्रियाओं का नैदानिक मूल्यांकन किस यंत्र द्वारा किया जाता है?
 - स्फिंगमोमैनोमीटर
 - स्टेथोस्कोप
 - स्पाइरोमीटर
 - गैसोमीटर(C)

व्याख्या: स्पाइरोमीटर का उपयोग फुफ्फुसीय क्रियाओं का नैदानिक मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। इससे फेफड़ों में वायु के आयतन और क्षमता का मापन किया जाता है।

- निःश्वसन में कौन-सी पेशियाँ शिथिल होती हैं?
 - बाह्य अंतरापशुक पेशियाँ
 - अंतः अंतरापशुक पेशियाँ
 - उदरीय पेशियाँ
 - सभी सक्रिय रहती हैं(A)

व्याख्या: निःश्वसन के दौरान बाह्य अंतरापशुक पेशियाँ शिथिल हो जाती हैं जिससे पसलियाँ और डायाफ्राम अपनी सामान्य स्थिति में लौट आते हैं।